मोनो रेल मार्ग का होगा विस्तार

दिल्ली मेट्रो की लाइन बिछाने से सस्ता है मोनो रेल बिछाना

विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट और चांदनी चौक तक बढ़ाया जा सकता है प्रस्तावित मार्ग

■ विराट न्यूज।

नई दिल्ली। मोनो रेल की प्रस्तावित परियोजना का विस्तार किया जाएगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने कहा कि उनकी सरकार पहले से स्वीकृत मोनो रेल परियोजना का मार्ग अन्य स्थानों तक बढ़ाने पर विचार कर रही है।

यह मार्ग विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट और चांदनी चौक तक बढ़ाया जा सकता है। परियोजना को अमल में लाने के बारे में एक प्रेजेन्टेशन दीक्षित की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रस्तुत किया गया। बैठक में परिवहन मंत्री अरविन्दर सिंह लवली, परिवहन आयुक्त, डीएमआरसी के एमडी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने इस परियोजना को जल्द शुरू किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि इससे नगर में अन्य उपनगरीय परिवहन के लिए पूरक व्यवस्था की जा सकेगी।

मोनो रेल बिछाना भी दिल्ली मेट्रो की लाइन बिछाने से सस्ती है। मोनो रेल लाइन से उन भीड़ भरे इलाकों में सेवा दी जा सकेगी जहां दिल्ली मेट्रो शुरू करने और बसें चलाना मुश्किल है। ऐलिवेटिड मोनो रेल भीड़भाड़ वाले इलाकों में तंग गलियों के ऊपर चलेगी और यह आसानी से मुड़ सकेगी। इसके अलावा यह प्रदूषण रहित, तीव्र, सुविधाजनक और आधुनिक परिवहन प्रणाली साबित होगी। प्रेजेन्टेशन में बताया गया कि मोनो रेल कई देशों में सफलतापूर्वक चल रही है और इसे मुम्बई में 20 किलोमीटर मार्ग पर जल्द चालू किया जाना है। मोनो रेल बिछाने की लागत में समूचा निर्माण, डिपो की लागत शामिल है। मोनो रेल में चार डिब्बे होंगे और प्रत्येक में 140 यात्री सफर कर सकेंगे। शुरू में डिब्बों का निर्माण मलेशिया में किया जाएगा लेकिन बाद में इन्हें देश में बनाना शुरू किया जाना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि डीएमआरसी समूचे निर्माण और मोनो रेल को चालू करने के काम की निगरानी करेगी क्योंकि इसके पास संबंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता है। इसके लिए डीएमआरसी तीन महीने में डीपीआर तैयार करायेगी ताकि सरकार निविदाएं आमंत्रित कर सके। सरकार का इरादा शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन से त्रिलोक पुरी के बीच जल्द से जल्द काम शुरू कराने का है। गांधी नगर और लक्ष्मी नगर के रास्ते की इस परियोजना पर 11 किलोमीटर में 12 स्टेशन बनने हैं। इस मार्ग को यमुना नदी की दूसरी ओर विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट और चांदनी चौक तक बढ़ाने पर चर्चा की गई। इससे यमुना नदी के दोनों ओर आने-जाने में विद्यार्थियों और व्यापारियों को सुविधा मिलेगी। इससे गांधी नगर और चांदनी चौक के विशाल व्यापारिक केन्द्र भी जुड़ जाएंगे। मौजूदा स्वीकृत मार्ग शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर यमुना पुश्ता रोड, राजाराम कोहली मार्ग, पटपड़गंज रोड, संजय नगर लेक से होते हुए त्रिलोकपुरी मेट्रो स्टेशन के समानांतर समाप्त होगा। इस मार्ग पर बनने वाले स्टेशन हैं। शास्त्री पार्क, कैलाश नगर, गांधी नगर, ताज एन्कलेव, गीता कॉलोनी, गुरू अंगद नगर, स्कोप टॉवर, गणेश नगर, मदर डेयरी, पटपड़गंज, कोटला और त्रिलोक पुरी। स्वीकृत मार्ग से तीन मेट्रो लाइन जुड़ जायेंगी ये हैं। दिलशाद गार्डन से रिठाला लाइन पर शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन, आनंद विहार से द्वारका लाइन पर निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन और मुकुंदपुर से यमुना विहार निर्माणाधीन लाइन पर त्रिलोक पुरी मेट्रो स्टेशन। दिल्ली में दिन-प्रतिदिन बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में यातायात साधनों में वृद्धि नहीं हो पा रही है, इसलिए इस प्रोजेक्ट की जरूरत है।■

नई दिल्ली में नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया के पचासवें स्थापना दिवस पर एक पुस्तक का लोकार्पण करते सांसद एवं लेखक शशि थरूर व अन्य। *छाया : एचसी तिवारी*

अब मंदिरों से गाय नहीं उठाएगी एमसीडी

नई दिल्ली। ईस्ट दिल्ली नगर निगम में आने वाले मंदिरों से गाय को नहीं पकड़ा जाएगा। बुधवार को हुई स्थायी समिति की बैठक में मंदिरों से गाय उठाने का मामला आने पर एमसीडी ने साफ कर दिया है कि मंदिरों में पांच गाय पाली जा सकती है। किसी भी मंदिर से एमसीडी गाय को नहीं उठाती है। स्थायी समिति की बैठक में विपक्ष की नेता वरयाम कौर ने मंदिर से गाय पकड़ने का मामला उठाया था।■

नेशनल बुक ट्रस्ट ने मनाया 55वां स्थापना दिवस

थरूर ने दिया बुक्स एंड रीडिंग पर लेक्चर

■ अनिका अरोड़ा।

नई दिल्ली। जिंदगी मे किताबों की अहमियत को हम सभी जानते हैं लेकिन उससे भी ज्यादा इंसान काबिल तब बनता हैं जब वो किताबों में छिपे ज्ञान को पढ़कर सफलता के नये आयाम हासिल करता हैं। राजधानी के स्पीकर हॉल, कॉन्सिट्यूशनल क्लब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डॉ. शशि थरूर ने नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया के 55 वें स्थापना दिवस के मौके पर कहा।

उन्होंने आगे कहा कि एनबीटी ही एक भाषा, इंसान को एवं देश को एक दूसरे से जोड़ने का काम बखूबी कर रहा हैं। आज तो तकनीकी शिक्षा से भी लोगों को सीखने को मिलता हैं। फिर भी जीवन में रीडिंग का अपना ही महत्व हैं जिसे कोई भी नाकार नहीं सकता। एक अच्छा राइटर तब तक अच्छा लेखक नहीं बन सकता जब तक वो अन्य दूसरी किताबों के ज्ञान को पढ़े ना। भाषा कोई भी हो, लेकिन जब तब लेखक के अंदर पढ़ने की ललक नहीं होगी वो अपने विचारों को बेहतरीन लिखने में भी कामयाबी हासिल नहीं कर सकता। साथ ही आज के युवाओं को भी मैं यही कहना चाहता हूं कि बचपन से ही लिखने का शौक था लेकिन मां-बाप के बिना सहारे के भी आप आगे बढ़ने में कामयाब नहीं हो सकते। मैंने कई चीजों पर काम किया हैं। और आगे भी करता रहूंगा। साथ ही एनबीटी को बधाई देना चाहता हूं कि वो जो काम कर रहे हैं आगे भी करते रहे। भाषाओं को भाषाओं से जोड़ते रहे तो नये-नये, काबिल लेखक अपने आप जन्म लेते रहेंगे। इस मौके पर एनबीटी के सेक्रेटरी अशोक ठाकुर, डायरेक्टर एम.सिकंदर भी मौजूद थे। एक पत्रिका का लांच भी किया गया जिसमें एनबीटी के 55 साल की पूरे सफर की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शशि थरूर ने मौजूद लोगों के प्रश्नों के उत्तर भी दिये।■

मेयर ने किया ओखला इनर्जी प्लांट का निरीक्षण

नई दिल्ली। राजधानी के ठोस कूड़े से ओखला वेस्ट टू इनर्जी प्लांट, 38138 मेगावाट बिजली का उत्पन्न कर चुका है।

दक्षिणी दिल्ली की इस महत्वपूर्ण परियोजना का बुधवार को दक्षिणी दिल्ली की मेयर सविता गुप्ता ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।■

किरोड़ीमल कॉलेज के प्रिंसिपल बर्खास्त

■ विराट न्यूज।

नई दिल्ली। किरोड़ीमल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. भीम सेन सिंह को गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन बालेश्वर राय पर आरोप लगाना भार पड़ गया। डीयू प्रशासन ने उनके आरोपों पर कार्रवाई करते हुए डॉ. भीम सेन सिंह को प्रिंसिपल के पद से बर्खास्त कर दिया गया है। डॉ. भीम सेन सिंह ने अपना इस्तीफा एसपी गुप्ता को सौंप दिया है। एसपी गुप्ता को ही केएमसी कॉलेज का एक्टिंग प्रिंसिपल नियुक्त किया गया है। गौरतबल है कि मंगलवार को प्रिंसिपल भीम सेन सिंह ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि बालेश्वर राय को दोबारा से केएमसी का चेयरमैन बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। बालेश्वर राय पर बलात्कार सहित स्कूल की प्रॉपर्टी हड़पने का मामला भी कोर्ट में लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया कि बलालेश्वर राय को चेयरमैन बनाया जाने के पीछे डीयू वीसी दिनेश सिंह की पूरी भूमिका है। उन्होंने यह भी बताया कि वसंत विहार में उपरास विद्यालय के लिए बड़े अधिकारियों के साथ मिलकर हजारों की भूमि हड़प ली और वहां के वाइस प्रेजीडेंट और उपरास विद्यालय के चेयरमैन बन बैठे। पद पर रहते हुए उन्होंने न केवल पद और पावर का गलत उपयोग किया, बल्कि स्कूल की पीजीटी टीचर के साथ बलात्कार करने की कोशिश की। इस पर महिला ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत की लेकिन ताकत के चलते उनके खिलाफ पुलिस ने कोई मामला दर्ज नहीं किया। बाद में पीड़ित महिला ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इस मामले में केंद्रीय कार्य समिति ऑफ उत्तरप्रेश ने मामले की जांच की जिसमें बालेश्वर राय से स्कूल के सभी पद छीन लिए गए और उनका स्कूल में घूसना तक बंद कर दिया।■

दिल्ली पुलिस चली गांधीगीरी की राह

रामदेव समर्थकों पर लाठियां बरसाकर ले चुकी है सबक

पुलिस ने की टीम अन्ना के सदस्यों को पत्र भेज अस्पताल जाने की अपील

■ विराट न्यूज।

रामलीला मैदान में कहर बरपाने की एक फाइल फोटो।

नई दिल्ली। लाठियों के दम पर योग गुरू रामदेव के आंदोलन को खत्म कराने वाली दिल्ली पुलिस अब गांधीगीरी की राह पर चल पड़ी है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने गांधीगीरी दिखाते हुए टीम अन्ना के बीमार सदस्यों से एक पत्र भेज कर अस्पताल जाने की अपील की है। अपील के बाद अब दिल्ली पुलिस को टीम अन्ना की ओर से जवाब का इंतज़ार है।

गौरतलब है कि लगभग एक साल पहले रामलीला मैदान में बाबा रामदेव के आंदोलन के दौरान लाठीयों के इस्तेमाल के कारण बदनाम हुई दिल्ली पुलिस से सबक लेते हुए, जनलोकपाल और केन्द्रीय मंत्रियों के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार को लेकर विशेष जांच दल के गठन की मांग लेकर टीम अन्ना के अनशनकारीं सदस्यों से पत्र के मध्यम से अस्पताल जाने की अपील की है। पुलिस ने पत्र पत्र में उस हलफनामे का हवाला दिया है, जिसमें अनशन की मंजूरी के लिए अनशनकारियों ने वचन दिया था कि जरूरत पड़ने पर वे अस्पताल जाएंगे। पुलिस का कहना है कि अगर अरविंद केजरीवाल और गोपाल राय अस्पताल नहीं जाते हैं, तो इसका मतलब है कि वे सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन कर रहे हैं। पुलिस के द्वारा भेजे इस पत्र को लेकर अभी तब टीम अन्ना ने कोई जवाब नहीं दिया है। लेकिन सूत्रों की माने तो दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को उम्मीद है कि टीम अन्ना के सदस्य उनकी अपील को स्वीकार करेंगे और अस्पताल जाने को तैयार हो जाएंगे। वहीं इसके उलट पुलिस द्वारा पत्र दिए जाने के पहले टीम अन्ना के अहम सदस्य अरविंद केजरीवाल ने आंदोलन के मंच से कहा कि सरकार जबरन हमें उठाकर सरकारी अस्पताल भेजना चाहती है, जहां हमारी जान को भी खतरा हो सकता है।

सरकार पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि हम यहां आत्महात्या करने नहीं बल्कि देश हीत में बलिदान के लिए बैठें है।

केजरीवाल ने अपने समर्थकों से अपील करते हुए कहा कि सरकार उन्हें जबरन अनशन स्थल से उठाकर अस्पताल ले जा सकती है और अगर ऐसा हुआ तो समर्थकों को उन्हें अस्पताल से बाहर निकालने के लिए आगे आकर विरोध करना होगा।■

शॉर्ट टेक्स्ट

महिलाएं करेंगी आज डीटीसी में फ्री सफर

नई दिल्ली। रक्षाबन्धन के अवसर पर महिलाएं गुरूवार को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों में मुख्त यात्रा का आनंद ले सकेंगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने रक्षाबन्धन के मौके पर लोगों को बधाई देते हुये बुधवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह निर्णय इस बात को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि महिलाएं अपने भाइयों के पास आसानी से पहुंच सकें। दिल्ली के परिवहन मंत्री अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि महिलाएं शाम पांच बजे तक डीटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं। वातानुकूलित बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा नहीं मिलेगी।

एनएसयूआई का सदस्यता अभियान

नई दिल्ली। नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने देशव्यापी सदस्यता अभियान की शुरूआत की है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित चौधरी ने देशभर के छात्रों से अपील की है कि वे एनएसयूआई से जुड़ें। यह जानकारी एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित चौधरी ने एक एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। इस अवसर पर उन्होंने लिगल इंफोरमेशन ऑन राइट्स ऑफ स्टूडेंट्स नाम से एक पुस्तिका का भी विमोचन किया। इस बुक में विशेषतौर पर लड़कियों के प्रॉटेक्शन पर विशेष जोर दिया गया है। महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित इस पुस्तिका में तमाम संगठनों और विभागों के बारे में फोन नंबर सहित जानकारी उपलब्ध कराई गई है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित चौधरी ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि छात्र कल्याण के लिए काम करने वाले सबसे बड़े लोकतांत्रिक छात्र संगठन एनएसयूआई से जुड़ना चाहिए।■

यमुनापार में बनेगा अस्पताल

मल्टी स्पेशलिटी होगा ईडीएमसी का हॉस्पिटल

100 बेड का होगा अस्पताल, दिसंबर माह से से 50 बेड की सुविधाएं होंगी उपलब्ध

■ विराट न्यूज।

नई दिल्ली। ईस्ट दिल्ली नगर निगम का भी अपना मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल होगा। ईडीएमसी ने करावल नगर क्षेत्र की 15 एकड़ भूमि पर संचालित किए जा रहे डिस्पेंसरियों, पॉली क्लीनिकों और अन्य स्वास्थ्य इकाईयों को जोड़कर 100 बेड का अस्पताल बनाने का फैसला लिया है। एमसीडी के इस प्रस्ताव को राज्य सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस स्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहलें चरण में 50 बेड को शामिल किया गया है जबकि दूसरे चरण में शेष कार्य को पूरा किया जाएगा। ईस्ट दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर एसएस यादव ने बताया कि पहले चरण का कार्य दिसंबर माह तक पूरा कर लिया जाएगा। बाकी शेष कार्य अगले वर्ष तक पूरा होगा।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि एमसीडी करावल नगर क्षेत्र में 200 अवैध कॉलोनियां है इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। भूमि की कमी और आवश्यकताओं को देखते हुए एमसीडी ने इस क्षेत्र में संचालित की जाने वाली स्वास्थ्य इकाईयों को जोड़कर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल बनाने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी तरफ स्वामी दयानंद अस्पताल में बेड़ों को विस्तार किया जाएगा। दयानंद अस्पताल को 120 बेड का किया जाएगा। कमिश्नर ने जानकारी देते हुए बताया कि ईडीएमसी ने स्वास्थ्य इकाईयों को दुरूस्त करने के लिए एनएचआरएम से 60 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा है। केंद्र सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को दुरूस्त करने के लिए आवश्यक फंड उपलब्ध कराती है। दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी महसूस की जा रही है, हालांकि राजधानी सरकारी एवं एमसीडी के अस्पतालों की कमी नहीं है। लेकिन यहां एनसीआर क्षेत्रों से भी काफी मरीज उपचार के लिए आते हैं, इसलिए अस्पतालों में भारी भीड़ देखने को मिलती है।

बतातें चलें कि इस अस्पताल के अस्तित्व में आने के बाद लोगों को एक ही जगह पर सभी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैय्या कराई जा सकेंगी। अभी तक लोगों को अलग-अलग बिमारियों के लिए अलग-अलग अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ते है। अस्पताल का निर्माण होने के बाद उन्हें एक ही स्थान पर पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध मिल सकेंगी।■

इग्नू के नए वीसी बने प्रो. गोपीनाथ प्रधान

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी को लंबे इंतजार के बाद नया वीसी मिल ही गया। प्रो. गोपीनाथ प्रधान को इग्नू का नया वाइस चांसलर बनाया गया है। प्रो. गोपीनाथ ने बुधवार से वीसी का चार्ज संभाल लिया है। वह इग्नू में 2010 से स्कूल ऑफ सोसल साइंस के डायरेक्टर के पद पर काम कर रहे हैं। प्रो. प्रधान ने इग्नू को 1993 में इकोनोमिक्स रीडर के रूप में शुरूआत की और 1998 में वह प्रो. बनें

साठ साल के प्रधान प्रो. प्रधान इकोनोमिक्स के प्रो. हैं। उन्होंने ओडिसा, संभलपुर यूनिवर्सिटी से 1975 में एमए किया और 1984 में पीएचडी की पढ़ाई पूरी की। उन्हें डिवलपमेंट इकोनोमिक्स, इंडस्ट्रीयल इकोनोमिक्स, पब्लिक इकोनोमिक्स और क्यूवानटेटिव इकोनोमिक्स का अच्छा ज्ञान है। इसके पहले वह नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पॉलिसी , नई दिल्ली से अर्थ शास्त्री और सिनियर अर्थ शास्त्री के रूप में जुड़े रहे हैं।■

विरोध | पानी-बिजली के व्यवसायीकरण के विरोध में भाजपा करेगी सम्मेलन

बिजली-पानी का निजीकरण बर्दाश्त नहीं

■ विराट न्यूज।

नई दिल्ली। बिजली पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का सरकार द्वारा व्यवसायीकरण और इनके दामों में अंधाधुंध वृद्धि के खिलाफ भाजपा ने 4 अगस्त को दिल्ली के 3000 से अधिक आवासीय कल्याण संगठनों (आरडब्ल्यूए) और व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों का एक विशाल सम्मेलन तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में बुलाया है।

इस सम्मेलन को भाजपा की वरिष्ठ नेत्री सुषमा स्वराज संबोधित करेंगी। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता करेंगे। इसमें सरकार, बिजली कंपनियों, डीईआरसी के खिलाफ निर्णायक रणनीति का ऐलान किया जायेगा। यह जानकारी पत्रकारों को विजेन्द्र गुप्ता ने बुधवार को एक पत्रकार सम्मेलन के जरिये दी। उन्होंने बताया कि बिजली-पानी को लेकर इतना बड़ा सम्मेलन दिल्ली के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ।सरकार, बिजली कंपनियों और डीईआरसी ने जब अत्याचार की हद पार कर दी तब भाजपा जनता के पक्ष में एक ढाल के रूप में खड़ी हो गई है। यह लड़ाई आर-पार की है। मनमोहन सरकार ने लगातार दो दिन ग्रिड फेल होने के आरोप में ऊर्जा मंत्री सुशील कुमार शिंदे का मंत्रालय बदल दिया है। यह प्रधानमंत्री का जनता की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास है। जनता तो अब मनमोहन सरकार का खात्मा चाहती है।भाजपा ने संकल्प किया है कि दिल्ली की 14 सालों से चल रही जनविरोधी भ्रष्ट और तानाशाह सरकार को अब किसी भी हालत में सत्ता में बने रहने नहीं दिया जायेगा। ज्ञात हो कि दिल्ली की मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि अगले दो वर्षों में पानी का संपूर्ण निजीकरण कर दिया जायेगा। पिछले 10 सालों में दिल्ली में पानी दामों में 1700 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। निजीकरण होने के बाद जल के दामों में कई सौ प्रतिशत की अनापशनाप वृद्धि होगी जिसे दिल्ली की जनता शहन नहीं कर पायेगी। गरीब आदमी को सार्वजनिक नलों से पीने का पानी नसीब नहीं होगा। 4 अगस्त का यह सम्मेलन इस लिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें ऊर्जा नीति और जल नीति के देश के जाने माने विशेषज्ञ भाग लेंगे और सरकार की चालबाजियों की पोल तथ्यों सहित उपस्थित लोगों को बतायेंगे। इस मौके पर पॉवर प्वाईट प्रजेन्टेशन भी प्रस्तुत किया जायेगा। उदयपुर के जाने माने जल विशेषज्ञ प्रो. भगवती प्रसाद पानी का व्यवसायीकरण करने के सरकार के एजेंडे का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करेंगे।■

एनटीपीसी NTPC **एन टी पी सी लिमिटेड**

(भारत सरकार का उद्यम)

पंजीकृत कार्यालय का पताः एनटीपीसी भवन, कोर-7, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

उक्त नामक आवेदक ने यूनिट–1 तथा 2 की सीओडी दिनांक क्रमशः 23.07.2012 तथा 01.07.2013 से 31.03.2014 तक की अवधि हेतु रिहंद सुपर थर्मल पावर स्टेशन स्टेज–3 के शुल्क निर्धारण हेतु केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है।

1. जेनरेटिंग स्टेशन के लाभार्थी निम्नलिखित हैं–
   - i. उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) शक्ति भवन एक्सटेंशन, 10वीं मंजिल, 14, अशोक मार्ग, लखनऊ–226001 (उ.प्र.)
   - ii. जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएन), विद्युत भवन, जनपथ, जयपुर–302005 (राजस्थान)
   - iii. अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएन) ओल्ड पावर हाउस, हाथी भाटा, जयपुर रोड, अजमेर–305001 (राजस्थान)
   - iv. जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेडीवीवीएन), न्यू पावर हाउस, इंडस्ट्रियल एरिया, जोधपुर–342003 (राजस्थान)
   - v. टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड, 33 केवी सब स्टेशन, हडसन लाइन्स, किंग्सवे कैम्प, दिल्ली–110009
   - vi. बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड, बीएसईएस भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली–19
   - vii. बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड, शक्ति किरण बिल्डिंग, कड़कड़डूमां, दिल्ली–110092
   - viii. हरियाणा पावर पर्चेज सेंटर (एचपीपीसी), शक्ति भवन, सेक्टर–6, पंचकुला, हरियाणा–134109
   - ix. पंजाब स्टेट पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) (पूर्व पीएसईबी), दि मॉल, पटियाला–147001
   - x. हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (एचपीएसईबी) कुमार हाउसिंग कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग–2, विद्युत भवन, शिमला–171004 (हि.प्र)
   - xi. पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (पीडीडी) जम्मू एवं कश्मीर सरकार, सिविल सेक्रेट्रिएट के पीछे, एमए रोड, श्रीनगर
   - xii. पावर डिपार्टमेंट (चंडीगढ़) संघ शासित क्षेत्र, चंडीगढ़, अपर कार्यालय बिल्डिंग, सेक्टर–9 डी, चंडीगढ़
   - xiii. उत्तरांचल पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल), ऊर्जा भवन, कानवाली रोड, देहरादून–248001
2. जेनरेटिंग स्टेशन की क्षमताः 1000 मेगावाट (2x500 मेगावाट)
3. परियोजना की अनुमोदित पूँजी लागत — वर्तमान लागत : रुपये 611936 लाख; पूर्ण लागत : रुपये 662070 लाख
4. पूँजी लागत को अनुमोदित करने वाले प्राधिकारी : एनटीपीसी का निदेशक मंडल
5. व्यावसायिक परिचालन की निर्धारित तारीख — मूलः 01.04.12 (यूनिट–I) 01.10.12 (यूनिट–II); फाइनल (संशोधित) 23.07.2012 01.07.2013
6. व्यावसायिक परिचालन की वास्तविक तारीख : 23.07.2012 (यूनिट–I प्रत्याशित) तथा 01.07.2013 (यूनिट–II प्रत्याशित)
7. पूँजी लागत (अनुमानित) व्यावसायिक परिचालन की तारीख को : यूनिट–I : 288660 लाख; यूनिट–II : 552634 लाख
8. शुल्क का ब्यौरा

विवरण	पिछले वर्ष का शुल्क	निर्धारित किया गया वर्षवार शुल्क		
		2012-13 (युनिट-I की सीओडी से 31.3.2013)	2013-14 (01.04.2013 से 30.06.2013 तक)	2013-14 (01.07.2013 से 31.03.2014 तक)
1. क्षमता प्रभार (रुपये लाख प्रति वर्ष)	लागू नहीं	63829.97	65591.49	126666.14
2. ऊर्जा प्रभार (पैसे प्रति कि.वा.घं) #		135.59		

\# महीने के ऊर्जा प्रभार रेट विनियमन 21(6)(ए) के अनुसार महीने की ईंधन लागत तथा जीसीवी पर आधारित होंगे।

9. शुल्क निर्धारण के लिए प्रस्तुत आवेदन की प्रति एनटीपीसी की वेबसाइट **www.ntpc.co.in** पर टैब नोटिसेज के अंतर्गत प्रदर्शित की गई है।
10. आवेदन में शुल्क निर्धारण के प्रस्ताव पर यदि लाभार्थी सहित किसी व्यक्ति की कोई टिप्पणी अथवा सुझाव हो तो वह उसे सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, तीसरी एवं चौथी मंजिल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36, जनपथ, नई दिल्ली–110001 को इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर भेज सकते हैं। इसकी एक प्रति आवेदक को भेजनी होगी।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 24.07.2012

(ए. बासु रॉय)
उप महाप्रबंधक (कमर्शियल)

देश के हर तीसरे बल्ब को करे रोशन

01/CC/41/2012-13 critique

Newspaper	Edition	Date	Page Number
Mail Today	Delhi	03-08-2012	14

POWERSCAPE

RINGING IN CRITICAL THINKING

Acclaimed writer and member of Parliament Shashi Tharoor delivered NBT Foundation Day Lecture on books and reading in today's India

THE National Book Trust (NBT), India, an apex body established by the Government of India, celebrates its Foundation Day on August 1 every year. Several literary, cultural and other book-related activities are organised to mark the occasion.

On its 55th Foundation Day, the NBT has initiated an annual lecture series with eminent scholars, intellectuals, litterateurs and the others, who have made significant contributions to the world of publishing. It is hoped that this series of lectures will extend the debate on the importance and promotion of books and reading in today's context to the public domain and bring in critical thinking.

Shashi Tharoor, acclaimed author and member of Parliament, delivered the first lecture on books and reading in today's India at Speaker Hall, Constitution Club, New Delhi on August 1, 2012. "I'm no stranger to the joy of words. I read voraciously. It is important to read for pleasure. Books have an important place in my life," said Tharoor.

Reflecting on his evolution as writer, he said that he started writing when he was eight years old and published his first book when he was 12. He further said his parents encouraged him to writing.

Looking at young India with growing competition in the industry, books which are appealing to youngsters are pulp fiction and books for discerning readers should be published. He also talked about the challenges faced to instill reading habits among youngsters. He said they should make an attempt to read.

"Language is a vehicle and not destination," he added, while appreciating NBT's effort in translating books in other Indian languages. He said writings do have an impact on the society.

Tharoor is an award-winning author, United Nations peace-keeper, refugee worker, activist, a former minister of state for external affairs and now an elected member of the Indian Parliament from the Thiruvananthapuram constituency, Kerala. Besides, he is a renowned speaker on India's recent transformation and future prospects, globalisation, freedom of the press, human rights, literacy, culture, and India's present and potential influence in world politics and is a youth icon.

Born in London in 1956, Tharoor was educated in India and the US, completing a PhD in 1978 at the age of 22 at the Fletcher School of Law and Diplomacy at Tufts University. He was also awarded an honorary D.Litt. by the University of Puget Sound and a Doctorate Honoris Causa in History by the University of Bucharest.

Tharoor has authored several non-fiction books, novels and a collection of short stories, including *Reasons of State, India: From Midnight to the Millennium, Kerala: God's Own Country, Nehru: The Invention of India, Bookless in Baghdad, The Elephant, the Tiger and the Cellphone: Reflections on India in the 21st Century, The Great Indian Novel, Riot, Show Business and The Five-Dollar Smile.* He has also written hundreds of op-eds, articles and book reviews for various publications.

"I'm no stranger to the joy of words. I read voraciously. It's important to read for pleasure," said Shashi Tharoor

Ashok Thakur, IAS, secretary (HE), ministry of human resource development, presided over the function. Earlier, M A Sikandar, director, NBT, India welcomed the guests present on the occasion.

Newspaper	Edition	Date	Page Number
Dainik Jagran (City)	Delhi	02-08-2012	4

लेखक के लिए भाषा सवारी हो सकती है, मंजिल नहीं : थरूर

एनबीटी के स्थापना दिवस पर सांसद शशि थरूर, एनबीटी के निदेशक एम.ए.सिकंदर व मानव संसाधन मंत्रालय के विशेष सचिव अशोक ठाकुर। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: जिस प्रकार एक चित्रकार अपनी भावनाओं व विचारों को रंगों से कैनवास पर उतारता है, ठीक उसी तरह लेखक शब्दों के माध्यम से किताबों की शक्ल में अपने विचारों को पाठकों तक पहुंचाता है। लेखक के लिए भाषा एक सवारी हो सकती है लेकिन मंजिल नहीं। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) के 55वें स्थापना दिवस के मौके पर कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में सांसद व लेखक शशि थरूर लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वर्ष 1957 में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कार्यकाल में एनबीटी की स्थापना की गई थी।

स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम के मौके पर शशि थरूर ने कहा कि आज के दौर में युवाओं के लिए ऐसे लेखन की आवश्यकता है जिसे पढ़कर युवा अपने देश को जान सकें। युवा लेखक चेतन भगत की सराहना करते हुए थरूर ने कहा कि वे आज के दौर के युवाओं की पसंद का पूरा ध्यान रखते हैं।